GEO IAS
It's about quality

12 July 2024

GEO Daily

# Daily Current Affairs

## GEO IAS

SOURCES

THE HINDU | The Indian EXPRESS JOURNALISM OF COURAGE | pib | AIR | live mint | THE FINANCIAL EXPRESS | ET ECONOMIC TIMES.COM

**Date: 12 July 2024**

## Important News Articles

1. केंद्रीय संस्कृति मंत्री ने 'थाईलैंड-भारत अंतर्संबंधित विरासतें: बौद्ध धर्म में आस्था की धारा' विषय पर फोटोग्राफिक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया- पीआईबी
2. म्यांमार संकट के बीच भारत ने बिम्सटेक विदेश मंत्रियों की मेजबानी की- द हिंदू
3. केंद्र ने श्रम संहिता लागू करने के प्रयास शुरू किए- द हिंदू
4. भारतीय जहाज चालक दल ने लाल सागर में बचाव के लिए 'असाधारण बहादुरी' पुरस्कार जीता- द हिंदू
5. रूस में मोदी: चेन्नई-व्लादिवोस्तोक पूर्वी समुद्री गलियारा क्या है? - बिजनेस स्टैंडर्ड
6. इज़रायली सेना का हैनिबल निर्देश क्या है?-इंडियन एक्सप्रेस
7. अरुणाचल प्रदेश में अपर सियांग जलविद्युत परियोजना का स्थानीय लोगों द्वारा विरोध क्यों -इंडियन एक्सप्रेस

## Editorials, Gists and Explainers

8. जीका वायरस: निगरानी और वेक्टर नियंत्रण में सुधार की आवश्यकता
9. सड़क-इंफ्रा खर्च बढ़ाते रहें, विद्युतीकरण को बढ़ावा देने के लिए नीतियां बनाएं- द हिंदू
10. इसरो ग्रह रक्षा क्षेत्र में क्यों उतरना चाहता है-इंडियन एक्सप्रेस

## Quick Look

1. सरकारी ई-बाज़ार
2. फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की)
3. नाटो
4. एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई)
5. एमएस स्वामीनाथन आयोग

# महत्वपूर्ण समाचार लेख

## सामान्य अध्ययन I

### 1. केंद्रीय संस्कृति मंत्री ने 'थाईलैंड-भारत अंतर्संबंधित विरासतें: बौद्ध धर्म में आस्था की धारा' विषय पर फोटोग्राफिक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया- पीआईबी

**प्रासंगिकता**: भारतीय संस्कृति - प्राचीन से आधुनिक काल तक कला रूपों, साहित्य और वास्तुकला के प्रमुख पहलू।

**प्रीलिम्स टेकअवे**
- मानचित्र आधारित प्रश्न

**समाचार**:
- नई दिल्ली में राष्ट्रीय संग्रहालय में फोटोग्राफिक प्रदर्शनी **"थाईलैंड-इंडिया इंटरवॉवन लिगेसीज़: स्ट्रीम ऑफ फेथ इन बुद्धिज्म"** का उद्घाटन केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री द्वारा किया गया।

**मुख्य बिंदु:**
- राष्ट्रीय संग्रहालय में फोटोग्राफिक प्रदर्शन भगवान बुद्ध और उनके शांति और करुणा के संदेश के प्रति थाई लोगों की भावनात्मक लहर और गहरी भक्ति और श्रद्धा को दर्शाता है।
- भगवान बुद्ध के आदर्श भारत और थाईलैंड के बीच एक आध्यात्मिक पुल के रूप में काम करते हैं, जो गहरे संबंध को बढ़ावा देता है।
- प्रदर्शनी का उद्देश्य भगवान बुद्ध और उनके प्रमुख शिष्यों, **अर्हत सारिपुत्त और अर्हत महा मोगलाना** के पवित्र अवशेषों के प्रति थाईलैंड के लोगों के गहन स्वागत और श्रद्धा को प्रदर्शित करना है।
- उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थ नगर जिले के पिपरहवा से खोदे गए ये अवशेष प्रदर्शनी का केंद्र बिंदु हैं, जो भारत और थाईलैंड के बीच गहरे सांस्कृतिक और पारंपरिक संबंधों का प्रतीक हैं।
- 1970-71 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा पिपरहवा में की गई खुदाई से दो ताबूत प्रकाश में आए, जिनमें कुल बाईस पवित्र अस्थि अवशेष थे।
- पवित्र अवशेषों को थाईलैंड में 25 दिनों तक चली एक महत्वपूर्ण प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया।
- प्रदर्शनी का आयोजन गंगा-मेकांग पवित्र अवशेष धम्मयात्रा के तत्वावधान में किया गया था।
- थाईलैंड और उसके पड़ोसी देशों के विभिन्न हिस्सों से चार मिलियन से अधिक भक्तों ने पवित्र अवशेषों को श्रद्धांजलि अर्पित की।
- यह प्रदर्शनी थाईलैंड साम्राज्य और संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संयुक्त रूप से विदेश मंत्रालय, थाईलैंड में भारतीय दूतावास, राष्ट्रीय संग्रहालय, अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ और महाबोधि सोसायटी के सक्रिय सहयोग से आयोजित की गई थी।

## सामान्य अध्ययन II

### 2. म्यांमार संकट के बीच भारत ने बिम्सटेक विदेश मंत्रियों की मेजबानी की- द हिंदू

**प्रासंगिकता**: भारत और उसके पड़ोसी-संबंध।

**प्रीलिम्स टेकअवे**
- बिम्सटेक
- भारत-म्यांमार

**समाचार**:
- भारत के विदेश मंत्री ने पहले बिम्सटेक विदेश मंत्रियों के रिट्रीट को संबोधित करते हुए कहा, सात सदस्यीय बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल (बिम्सटेक) को अपने भीतर क्षेत्रीय चुनौतियों का समाधान ढूंढना चाहिए।

**मुख्य बिंदु:**
- यह बैठक महत्वपूर्ण है क्योंकि यह म्यांमार में प्रमुख विकास की पृष्ठभूमि में आयोजित की जा रही है, जहां सैन्य जुंटा को दर्जनों जातीय सशस्त्र संगठनों (EAO) के खिलाफ युद्ध के मैदान में झटके मिल रहे हैं।
- "वैश्विक और क्षेत्रीय विकास ने यह भी जरूरी बना दिया है कि हम आपस में और अधिक समाधान खोजें।
- क्षमता-निर्माण और आर्थिक सहयोग जैसे दीर्घकालिक लक्ष्य हैं जिन्होंने एक नई तात्कालिकता हासिल कर ली है।
- और कम से कम, एक समूह जो अपनी सदस्यता में इतना पूरक और इतना अनुकूल है, उसमें निश्चित रूप से उच्च आकांक्षाएं होनी चाहिए।

- 20 मई को **बिम्सटेक का चार्टर** लागू होने के बाद यह पहली बार है कि इस तरह का आयोजन किया गया, जिसने संगठन के विकास में एक ऐतिहासिक विकास को चिह्नित किया।
- म्यांमार का घटनाक्रम बिम्सटेक के सामने एक बड़ा मुद्दा है क्योंकि वहां की अस्थिरता ने कई विकासात्मक और कनेक्टिविटी परियोजनाओं पर सवालिया निशान लगा दिया है जिनका उद्देश्य नेपाल, भूटान, भारत, बांग्लादेश, म्यांमार और थाईलैंड जैसे देशों के बीच संबंधों को मजबूत करना था।
- विदेश मंत्रालय ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि क्या भारत म्यांमार के अंदर प्रभावित नागरिक आबादी को मानवीय सहायता प्रदान करेगा।
- अब तक, सहायता विस्थापित आबादी और म्यांमार सेना के कर्मियों तक ही सीमित रही है जिन्होंने मिजोरम में शरण मांगी थी।
- भारत ने म्यांमार में संकट के प्रति सतर्क दृष्टिकोण बनाए रखा है जहां ईएओ ने अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के करीब व्यापार मार्गों और क्षेत्रों पर नियंत्रण हासिल कर लिया है।
- साइबर, नशीले पदार्थों और अवैध हथियारों सहित अंतरराष्ट्रीय अपराधों का मुकाबला करना एक साझा प्राथमिकता है।

## 3. केंद्र ने श्रम संहिता लागू करने के प्रयास शुरू किए- द हिंदू

**प्रासंगिकता**: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

**प्रीलिम्स टेकअवे**
- श्रम संहिता
- सेवा (SEWA)

**समाचार:**
- केंद्रीय श्रम मंत्रालय ने **वर्ष 2019 और 2020** में अपने दूसरे कार्यकाल में संसद में पारित किए गए चार श्रम संहिताओं को लागू करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं।
- केंद्रीय श्रम मंत्री और केंद्रीय श्रम सचिव ने विभिन्न ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधियों से मिलना शुरू कर दिया है और विवादास्पद कानून को लागू करने के लिए उनका सहयोग मांगा है।
- ट्रेड यूनियनों की आपत्तियों के कारण संहिताएँ अभी तक क्रियाशील नहीं हैं। केंद्र कहता रहा है कि कुछ राज्यों ने अभी तक संहिताओं के लिए नियम नहीं बनाए हैं।
- लगभग सभी राज्यों ने नियम बना लिए हैं और केंद्र ने कहा है कि वह उन राज्यों की मदद कर रहा है जो प्रक्रिया को पूरा करने के लिए नियमों का मसौदा तैयार नहीं कर सके।
- **केंद्रीय ट्रेड यूनियनों (सीटीयू)** ने संहिताओं के कार्यान्वयन का विरोध करते हुए कहा था कि वे श्रमिकों के लिए ट्रेड यूनियन अधिकारों और सामाजिक सुरक्षा उपायों में कटौती करेंगे।
- हाल ही में, सिटीग्रुप ने भारत पर अपनी रोजगार विश्लेषण रिपोर्ट में कहा था कि चार श्रम संहिताओं को लागू करने से देश में "व्यवसाय करने में आसानी" परिदृश्य में सुधार हो सकता है।
- **SEWA** चार संहिताओं का विरोध करता है और असंगठित और प्रवासी श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा उपायों की कमी को उठाना चाहता था।
- वर्तमान सामाजिक सुरक्षा कानून उनके अधिकारों की पर्याप्त रूप से रक्षा करने में विफल है क्योंकि सामाजिक सुरक्षा से संबंधित राज्य की नीतियां और कानून प्रवासी श्रमिकों के लिए कोई विशेष प्रावधान नहीं देते हैं।
- "एसईडब्ल्यूए के एक ज्ञापन में कहा गया है की राज्य की सीमाओं को पार करने वाले प्रवासी श्रमिकों और भारत के बाहर कार्यरत श्रमिकों दोनों को सामाजिक सुरक्षा कानूनों और योजनाओं के तहत सुरक्षा के समान अभाव का सामना करना पड़ता है।

## 4. भारतीय जहाज चालक दल ने लाल सागर में बचाव के लिए 'असाधारण बहादुरी' पुरस्कार जीता- द हिंदू

**प्रासंगिकता**: महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, एजेंसियां और मंच - उनकी संरचना, जनादेश।

**प्रीलिम्स टेकअवे**
- लाल सागर
- अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ)

**समाचार:**
- भारतीय कैप्टन रावत और उनके तेल टैंकर चालक दल को लाल सागर बचाव मिशन में दिखाए गए उनके "असाधारण साहस" के लिए समुद्र में असाधारण बहादुरी के लिए **अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ)** 2024 पुरस्कार के विजेताओं में नामित किया गया है।

- आईएमओ द्वारा कैप्टन रावत और उनके दल को उस आग से निपटने के लिए अग्निशमन और क्षति नियंत्रण प्रयासों के समन्वय के दौरान प्रदर्शित "दृढ़ संकल्प और सहनशक्ति" के लिए विजेता घोषित किया गया था, जो कथित तौर पर ईरानी समर्थित हौथी विद्रोहियों द्वारा दागी गई एक एंटी-शिप मिसाइल के उनके जहाज पर गिरने के बाद लगी थी। इस साल की शुरुआत में 'मार्लिन लुआंडा'।
- भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस विशाखापत्तनम को संकट के समय तेल टैंकर की सहायता के लिए प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया है।
- 84,147 टन नेफ्था ले जाने वाला मार्लिन लुआंडा स्वेज से इंचियोन के रास्ते में था जब उस पर एक जहाज-रोधी बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया गया।
  - विस्फोट से एक कार्गो टैंक में आग लग गई, जिससे 5 मीटर से अधिक ऊंची लपटों के साथ आग लगने का बड़ा खतरा पैदा हो गया।
  - कैप्टन अविनाश रावत ने चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने और अराजकता के बीच जहाज की नौवहन क्षमता को बनाए रखने के लिए तेजी से अग्निशमन प्रयासों का आयोजन किया।
- आग फैलती रही, विशेष रूप से बगल के टैंक को प्रभावित किया, लेकिन फोम की आपूर्ति समाप्त होने के बाद चालक दल समुद्री जल का उपयोग करके इस पर काबू पाने में कामयाब रहे।

## 5. रूस में मोदी: चेन्नई-व्लादिवोस्तोक पूर्वी समुद्री गलियारा क्या है? - बिजनेस स्टैंडर्ड

**प्रासंगिकता**: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते जिनमें भारत शामिल है और/या भारत के हितों को प्रभावित करता है।

**प्रीलिम्स टेकअवे**
- चेन्नई-व्लादिवोस्तोक पूर्वी समुद्री गलियारा

**समाचार:**
- प्रधानमंत्री ने हाल ही में कहा था कि भारत और रूस **चेन्नई-व्लादिवोस्तोक पूर्वी समुद्री गलियारे** पर काम कर रहे हैं।

**परियोजना**
- चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री मार्ग भारत के पूर्वी तट पर स्थित चेन्नई को रूस के पूर्वी बंदरगाह शहर व्लादिवोस्तोक से जोड़ता है, जिससे दोनों देशों के लिए व्यापार और निवेश के ढेरों अवसर खुलते हैं।
- व्लादिवोस्तोक ट्रांस-साइबेरियन रेलवे का अंतिम बिंदु है, कार्गो टर्नओवर के मामले में चौथा और सुदूर पूर्व का पहला मुक्त बंदरगाह है।
- व्लादिवोस्तोक-चेन्नई मार्ग जापान के सागर से होकर कोरियाई प्रायद्वीप, ताइवान और फिलीपींस से होते हुए दक्षिण चीन सागर, सिंगापुर से होकर मलक्का जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है।
  - बंगाल की खाड़ी में उभरने के लिए और फिर अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह से होते हुए चेन्नई तक पहुंच गई।
- यह समुद्री मार्ग लगभग 5,647 समुद्री मील या लगभग 10,500 किमी की दूरी तय करता है

## 6. इज़रायली सेना का हैनिबल निर्देश क्या है?-इंडियन एक्सप्रेस

**प्रासंगिकता**: विकसित और विकासशील देशों की नीतियों और राजनीति का भारत के हितों पर प्रभाव, भारतीय प्रवासी।

**प्रीलिम्स टेकअवे**
- मानचित्र आधारित प्रश्न

**समाचार:**
- जैसे ही हमास ने पिछले साल दक्षिणी इज़राइल पर हमला किया, इज़राइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने "हैनिबल डायरेक्टिव" को सक्रिय कर दिया, यह सुनिश्चित करने के लिए अधिकतम बल का उपयोग करने का एक कथित परिचालन सिद्धांत है कि कोई भी सैनिक पकड़ा न जाए, भले ही इसके लिए सैन्य और नागरिक जीवन का बलिदान देना पड़े।

**हैनिबल निर्देश**
- हैनिबल डायरेक्टिव एक गुप्त इजरायली सैन्य नीति है जिसका उद्देश्य अधिकतम बल का उपयोग करके इजरायली सैनिकों को पकड़ने से रोकना है, भले ही इससे सैनिकों के जीवन को खतरा हो।
- इसे 1986 में लेबनान में तीन इजरायली सैनिकों को पकड़ने के बाद हिजबुल्लाह द्वारा बनाया गया था, जहां इजरायल की सैन्य उपस्थिति थी।
- यह निर्देश इज़राइल रक्षा बलों (आईडीएफ) को सैनिकों को बंदी बनाए जाने से रोकने के लिए अत्यधिक उपाय करने की अनुमति देता है, जिसमें यदि आवश्यक हो तो घातक बल का उपयोग करना भी शामिल है।
- इसका उद्देश्य उन स्थितियों से बचना है जहां पकड़े गए सैनिकों का इस्तेमाल कैदियों की अदला-बदली में किया जा सकता है, जो इज़राइल के लिए राजनीतिक रूप से संवेदनशील और भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

# सामान्य अध्ययन III

## 7. अरुणाचल प्रदेश में अपर सियांग जलविद्युत परियोजना का स्थानीय लोगों द्वारा विरोध क्यों -इंडियन एक्सप्रेस

**प्रासंगिकता**: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन।

**प्रीलिम्स टेकअवे**
- 2023 का वन (संरक्षण) संशोधन अधिनियम (एफसीएए)।

**समाचार**:
- केंद्रीय ऊर्जा मंत्री के राज्य दौरे से पहले अरुणाचल प्रदेश के दो बांध विरोधी कार्यकर्ताओं को एहतियातन हिरासत में ले लिया गया।

**मुख्य बिंदु:**
- भारत सरकार ब्रह्मपुत्र की एक प्रमुख सहायक नदी सियांग पर एक विशाल बांध परियोजना की योजना बना रही है।
- नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन के नेतृत्व में इस ऊपरी सियांग बहुउद्देशीय भंडारण परियोजना का लक्ष्य भारी मात्रा में बिजली (11,000 मेगावाट) उत्पन्न करना है, लेकिन इसमें कई चुनौतियां हैं।
- **विस्थापित समुदाय:** बांध से गांवों में बाढ़ आ सकती है और आदि जनजाति के 100,000 से अधिक सदस्यों को स्थानांतरित होने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है, जिससे उनकी जीवन शैली और पारंपरिक भूमि प्रभावित होगी।
- **पर्यावरणीय चिंताएँ:** विशेषज्ञों को चिंता है कि यह परियोजना क्षेत्र की पारिस्थितिकी को बाधित कर सकती है, विशेष रूप से भूकंप के प्रति क्षेत्र की संवेदनशीलता और बदतर बाढ़ की संभावना को देखते हुए।
- **अनुमोदन संबंधी चिंताएँ:** वन कानूनों में हाल के बदलावों ने चिंताएँ बढ़ा दी हैं कि पर्यावरणीय मंजूरी में जल्दबाजी की जा सकती है, जिससे स्थानीय समुदायों और पर्यावरण समूहों का कड़ा विरोध हो सकता है।

# एडिटोरियल, जिस्ट, एक्सप्लेनेर

## 8. जीका वायरस: निगरानी और वेक्टर नियंत्रण में सुधार की आवश्यकता

**प्रासंगिकता**: विज्ञान और प्रौद्योगिकी- विकास और उनके अनुप्रयोग और रोजमर्रा की जिंदगी में प्रभाव।

**समाचार:**
- जीका वायरस एक बार फिर चर्चा में है। महाराष्ट्र के पुणे में अब तक जीका के आठ गर्भवती महिलाओं समेत कम से कम 15 मामले सामने आ चुके हैं।
- पुणे नगर निगम ने कहा है कि उसने निगरानी बढ़ा दी है; कर्नाटक स्वास्थ्य विभाग ने जनता के लिए वायरस पर दिशानिर्देश जारी किए हैं, और दोनों राज्यों ने जनता से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि उनके घरों में मच्छर प्रजनन स्थल न हों।
- एक समाचार रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने राज्यों से न केवल जीका के लिए परीक्षण बढ़ाने के लिए कहा है, बल्कि चिकनगुनिया और डेंगू जैसे लक्षणों वाले रोगियों का भी परीक्षण करने के लिए कहा है, जिनका जीका के लिए इन संक्रमणों के लिए नकारात्मक परीक्षण होता है।
- चूँकि देश के बड़े हिस्से में मॉनसून जारी है, जिससे मच्छरों के लिए आदर्श प्रजनन स्थल बन रहे हैं, और साथ ही डेंगू के मामले भी बढ़ रहे हैं, राज्य प्रशासन और जनता के सदस्यों को बीमारियों के संचरण को रोकने के लिए मच्छर-नियंत्रण उपायों को बढ़ाने की आवश्यकता है।

**जीका वायरस क्या है?**
- **विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार**, जीका वायरस एक मच्छर जनित वायरस है जिसे सबसे पहले 1947 में युगांडा में रीसस मकाक बंदर में पहचाना गया था, इसके बाद 1950 के दशक में अन्य अफ्रीकी देशों में मनुष्यों में संक्रमण और बीमारी के प्रमाण मिले।
- जीका वायरस संक्रमित एडीज मच्छरों, मुख्य रूप से एडीज एजिप्टी, के काटने से होता है, जो डेंगू और चिकनगुनिया भी फैलाता है।
- यौन संचरण, मां से भ्रूण तक संचरण और रक्त और रक्त उत्पादों का संक्रमण संचरण के अन्य मार्ग हैं।

| यह कैसे प्रकट होता है | क्या हैं दुष्परिणाम? |
| --- | --- |
| • जीका वायरस से संक्रमित अधिकांश लोगों में लक्षण विकसित नहीं होते हैं।<br>• जो लोग ऐसा करते हैं, उनमें आम तौर पर संक्रमण के 3-14 दिन बाद शुरू होता है और आम तौर पर हल्का होता है, जिसमें दाने, बुखार, नेत्रश्लेष्मलाशोथ, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द और सिरदर्द शामिल है, जो आमतौर पर 2-7 दिनों तक रहता है।<br>**इसका निदान कैसे किया जाता है?**<br>• जीका वायरस का संदेह लक्षणों या इस तथ्य के आधार पर किया जा सकता है कि व्यक्ति उन क्षेत्रों में रह रहा है या वहां जा रहा है जहां जीका संचरण हुआ है।<br>• प्रयोगशाला परीक्षण के बाद ही निदान दिया जा सकता है।<br>• नैदानिक अनुमोदन के लिए भारत की शीर्ष एजेंसी, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने पुष्टि की कि जीका के लिए कोई अनुमोदित नैदानिक परीक्षण नहीं है।<br>• रिपोर्ट में कहा गया है कि यह सीमा जीका का निदान करने की देश की क्षमता में बाधा डालती है। वर्तमान में, पुष्टि के लिए नमूने आमतौर पर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी सहित कुछ चुनिंदा प्रयोगशालाओं में भेजे जाते हैं | • डब्ल्यूएचओ का कहना है कि गर्भावस्था के दौरान जीका वायरस के संक्रमण से शिशु माइक्रोसेफली और अन्य जन्मजात विकृतियों के साथ पैदा हो सकते हैं और समय से पहले जन्म और गर्भपात का कारण भी बन सकते हैं।<br>• ज़िका वायरस संक्रमण वयस्कों और बच्चों में गुइलेन-बैरे सिंड्रोम, न्यूरोपैथी और मायलाइटिस से भी जुड़ा हुआ है। गुइलेन-बैरे सिंड्रोम एक दुर्लभ स्थिति है जो किसी व्यक्ति की प्रतिरक्षा प्रणाली को परिधीय तंत्रिकाओं पर हमला करने का कारण बनती है।<br>**क्या कोई टीका है?**<br>• डब्ल्यूएचओ का कहना है कि जीका वायरस संक्रमण की रोकथाम या इलाज के लिए अभी तक कोई टीका उपलब्ध नहीं है। जीका वैक्सीन का विकास अनुसंधान का एक सक्रिय क्षेत्र बना हुआ है।<br>• कुछ अध्ययनों ने आशाजनक परिणाम दिखाए हैं। उदाहरण के लिए, भारत में कई कंपनियाँ वैक्सीन बनाने का प्रयास कर रही हैं। 2017 में प्रकाशित एक अध्ययन में, भारत बायोटेक के "किल्ड ज़िका वायरस वैक्सीन" जो एक अफ्रीकी तनाव का उपयोग करता है, ने जानवरों के अध्ययन में मृत्यु दर और बीमारी के खिलाफ 100% प्रभावकारिता दिखाई।<br>• राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि वह एक वैक्सीन विकसित करने पर भी काम कर रही है। |

## 9. सड़क-इंफ्रा खर्च बढ़ाते रहें, विद्युतीकरण को बढ़ावा देने के लिए नीतियां बनाएं- द हिंदू

**प्रासंगिकता**: अर्थव्यवस्था पर उदारीकरण के प्रभाव, औद्योगिक नीति में परिवर्तन और औद्योगिक विकास पर उनके प्रभाव।

**प्रसंग:**

- भारत में ऑटोमोटिव उद्योग का विकास पिछले कुछ वर्षों के दौरान बनाए गए उत्कृष्ट सड़क बुनियादी ढांचे के कारण हुआ है।
- बहुत सारी इंटरसिटी यात्रा का मतलब है कि उपभोक्ता लक्जरी कारें चाहते हैं, वे सुरक्षित कारें चाहते हैं और इससे उद्योग में वृद्धि में मदद मिली है।
- इस बार, केंद्रीय बजट से, हम न केवल बुनियादी ढांचे के खर्च में निरंतरता की उम्मीद करेंगे, बल्कि सड़क के बुनियादी ढांचे पर भी अधिक खर्च करेंगे क्योंकि उद्योग के विकास के लिए सुधार की काफी गुंजाइश है।

### ईवी कर छूट बरकरार रखें

- ऑटोमोबाइल के विद्युतीकरण की दीर्घकालिक सफलता के लिए, हमारी मदद करने वाले बड़े कारकों में से एक, कम शुल्क संरचना है जो इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की कीमत को आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) कारों के करीब सक्षम बनाती है।
- हमारी अपेक्षा है कि सरकार एक स्पष्ट नीति रोडमैप लेकर आए और बयान दे कि कर प्रोत्साहन अगले 8 से 10 वर्षों तक जारी रहेगा।
- इससे ग्राहकों को विद्युतीकरण के मामले में ईवी और ओईएम में अधिक निवेश करने का विश्वास मिलेगा।
- चार्जिंग बुनियादी ढांचे के लिए, चार्जर्स को लोकतांत्रिक बनाने के लिए वांछित नेटवर्क स्थापित करने की जिम्मेदारी चार्जिंग प्वाइंट ऑपरेटर्स (सीपीओ) पर है।
- आज, हमने पाया है कि बहुत से सीपीओ अपने एपीआई नहीं खोल रहे हैं, इसलिए ग्राहकों को अपनी कारों को चार्ज करने के लिए कई ऐप डाउनलोड करने होंगे।

**सामान्य सीपीओ (CPO) मंच**

- इसे संबोधित करने के लिए, सरकार सभी सीपीओ को सूचीबद्ध करने के लिए एक सामान्य मंच ला सकती है, ताकि ग्राहकों को ईवी चार्ज करने पर लेनदेन करने के लिए यूपीआई जैसे भुगतान में आसानी हो।
- इसके अलावा, दुनिया भर में इलेक्ट्रिक कारों के लिए टोल फ्री बनाने, ईवी के लिए शहरों में विशेष पार्किंग सुविधाएं प्रदान करने जैसे कई अच्छे विचार हैं।
- इसलिए, मेरा मानना है कि कोई भी प्रोत्साहन कम नहीं है, क्योंकि विद्युतीकरण के लिए सरकार की ओर से बड़े प्रोत्साहन की जरूरत है।

**शून्य उत्सर्जन**

- जैसे-जैसे भारत आक्रामक रूप से कार्बन तटस्थता की ओर बढ़ रहा है, सरकार की भूमिका भी अधिक स्पष्ट हो गई है। हमारा मानना है कि कार्बन-तटस्थ पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की दिशा में रास्ता शून्य उत्सर्जन से निकलेगा, जिसे विद्युतीकरण द्वारा प्रदान किया जा सकता है।
- ओईएम, आपूर्तिकर्ताओं, विक्रेताओं, नीति निर्माताओं और अन्य सभी प्रमुख हितधारकों को एक साथ आना होगा, निकट सहयोग में काम करना होगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हम एक मजबूत, लचीला और समयबद्ध ईवी पारिस्थितिकी तंत्र बना सकें।
- ओईएम स्तर पर, उद्योग यह सुनिश्चित कर रहा है कि हम न केवल उच्च तकनीक और वांछनीय उत्पाद पेशकश पेश करके ईवी अपनाने को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करें, बल्कि हम स्वामित्व की कुल लागत को कम करने पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।
- यह ओईएम लंबी बैटरी वारंटी, ईवी के लिए आकर्षक अवशिष्ट मूल्य की पेशकश के माध्यम से कर रहे हैं जो आईसीई वाहनों के बराबर हैं और किसी भी कार्यशाला के दौरे को लम्बा करने के लिए सेवा अंतराल का विस्तार भी कर रहे हैं।

**ग्राहकों को शिक्षित करना**

- उद्योग को न केवल नए उत्पादों को पेश करने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखना चाहिए, बल्कि सभी बाजारों में उपभोक्ता-शिक्षा पहल को बढ़ाने पर भी समय और संसाधन खर्च करना चाहिए।
- ईवी अपनाने में वास्तविक तेजी तभी आ सकती है जब उपभोक्ताओं की ओर से इन प्रौद्योगिकियों के लिए मजबूत मांग हो; लेकिन इसके लिए, हमें ओईएमएस, नीति निर्माताओं और ग्राहकों के ठोस और समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है।
- जब आयात शुल्क की बात आती है, तो हम 30 वर्षों से भारत में मौजूदा कराधान संरचना के आधार पर व्यापार कर रहे हैं।

**कराधान में निरंतरता**

- यद्यपि कम करों का हमेशा स्वागत है, हमें वर्तमान आर्थिक और राजनीतिक मजबूरियों को देखते हुए व्यावहारिक होने की भी आवश्यकता है।
- इसलिए, जब कर लागत की बात आती है तो हम यथार्थवादी होते हैं। उम्मीद है कि इस केंद्रीय बजट में कोई बढ़ोतरी नहीं होगी और कराधान में निरंतरता रहेगी जिससे हमें सामान्य रूप से कारोबार करने में मदद मिलेगी।
- हमें उम्मीद है कि इस साल भारतीय ऑटो उद्योग 7% से 8% या अधिकतम 10% की दर से बढ़ेगा।
- मजबूत बाजार
- अभी, यदि आप सक्षमकर्ताओं को देखें; शेयर बाज़ार सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर है, रियल एस्टेट क्षेत्र अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, कर संग्रह रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर है।इसलिए, हमें अनुमानित वृद्धि हासिल करने में कोई बाधा नहीं दिखती।

## 10. इसरो ग्रहीय (planetary) रक्षा क्षेत्र में क्यों उतरना चाहता है- इंडियन एक्सप्रेस

**प्रासंगिकता:** विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ; प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण और नई प्रौद्योगिकी का विकास।

**प्रसंग:**

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को 2029 में 32,000 किमी की दूरी पर पृथ्वी से गुजरने पर क्षुद्रग्रह एपोफिस से मिलने में सक्षम होना चाहिए।

**मुख्य बिंदु-**

- भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी अपना स्वयं का अंतरिक्ष यान भेज सकती है, या अन्य अंतरिक्ष एजेंसियों के साथ सहयोग कर सकती है।
- क्षुद्रग्रह का अध्ययन करने का मिशन एक ऐसे कार्यक्रम के निर्माण की दिशा में पहला कदम होगा जिसका उद्देश्य खगोलीय पिंडों को संभावित विनाशकारी परिणामों के साथ पृथ्वी से टकराने से रोकना है।

**एक खतरनाक क्षुद्रग्रह**

- जब 2004 में एपोफिस की खोज की गई थी, तो वैज्ञानिकों ने सोचा था कि पृथ्वी के साथ टकराव की 2.7% संभावना थी - हाल के दिनों में किसी भी बड़े क्षुद्रग्रह के पृथ्वी से टकराने की सबसे अधिक संभावना।
- प्रारंभिक अवलोकनों से पता चला है कि यदि 2029 में नहीं, तो एपोफिस 2036 या 2068 में पृथ्वी से टकरा सकता है।
- क्षुद्रग्रह के आकार को देखते हुए - इसकी चौड़ाई लगभग 450 मीटर है - पृथ्वी के साथ टकराव से बड़े पैमाने पर नुकसान हो सकता है।
- बाद के अवलोकनों से पता चला कि ये प्रारंभिक आशंकाएँ निराधार थीं - पृथ्वी को 2029, 2036, या 2068 में एपोफिस से किसी भी खतरे का सामना नहीं करना पड़ा।
- क्षुद्रग्रह 2029 में पृथ्वी के सबसे करीब आएगा, जब यह 32,000 किमी की दूरी से गुजरेगा।
- यह नग्न आंखों से दिखाई देने के लिए काफी करीब है, और इतनी दूरी पर है जिस पर कुछ संचार उपग्रह संचालित होते हैं।

**विज्ञान कथा (sci-fi) से वास्तविकता तक**

- 2022 में, नासा ने ऐसी तकनीक का प्रदर्शन किया जो लंबे समय से विज्ञान कथा का प्रमुख विषय रही है।
- पिछले वर्ष लॉन्च किया गया एक अंतरिक्ष यान डिमोर्फोस नामक क्षुद्रग्रह से टकरा गया और उसका आकार और प्रक्षेप पथ दोनों बदल गया।
- डिमोर्फोस से पृथ्वी को कोई खतरा नहीं था और वह हमारे ग्रह से लगभग 11 मिलियन किमी दूर सूर्य का चक्कर लगा रहा था।
- लेकिन इससे एक ग्रह रक्षा कार्यक्रम की शुरुआत का पता चला। क्षुद्रग्रहों का अभी भी विस्तार से अध्ययन नहीं किया गया है, और बहुत कम मिशन उन्हें समर्पित किए गए हैं।

# फैक्ट फटाफट

## 1. सरकारी ई-बाज़ार

- GeM विभिन्न सरकारी विभागों/संगठनों/पीएसयू द्वारा आवश्यक सामान्य उपयोग की वस्तुओं और सेवाओं की ऑनलाइन खरीद की सुविधा प्रदान करता है।
- यह पहल भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा अगस्त 2016 में शुरू की गई थी।
- GeM का वर्तमान संस्करण, यानी, GeM 3.0 26 जनवरी, 2018 को लॉन्च किया गया था।
- यह सरकारी उपयोगकर्ताओं को सुविधा प्रदान करने, उनके पैसे का सर्वोत्तम मूल्य प्राप्त करने के लिए ई-बोली, रिवर्स ई-नीलामी और मांग एकत्रीकरण के उपकरण प्रदान करता है और इसका उद्देश्य सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता, दक्षता और गति को बढ़ाना है।

## 2. फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की)

- FICCI; 1927 में स्थापित एक गैर-सरकारी, गैर-लाभकारी संगठन है।
- यह भारत का सबसे बड़ा और सबसे पुराना शीर्ष व्यापारिक संगठन है, जिसका इतिहास भारत के स्वतंत्रता संग्राम, इसके औद्योगीकरण और सबसे तेजी से बढ़ती वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में इसके उद्भव से जुड़ा हुआ है।
- फिक्की अर्थशास्त्रियों, सिविल सेवकों और उद्योगपतियों के लिए चर्चा मंचों को प्रायोजित करके और सरकारी योजनाकारों और नीति निर्माताओं के साथ अनौपचारिक परामर्श व्यवस्था के माध्यम से भारत सरकार की आर्थिक नीतियों को प्रभावित करता है।
- FICCI अपने व्यावसायिक सदस्यों को व्यावहारिक सलाह और जानकारी, सेवाएँ और नेटवर्किंग के अवसर भी प्रदान करता है।
- इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है और यह विभिन्न भारतीय राज्यों और विदेशी देशों में कार्यालय रखता है।

## 3. नाटो

- उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) 1949 में गठित एक अंतरसरकारी सैन्य गठबंधन है।
- इसकी स्थापना शीत युद्ध काल के दौरान विशेष रूप से सोवियत संघ से संभावित आक्रामकता के खिलाफ सामूहिक रक्षा प्रदान करने के प्राथमिक लक्ष्य के साथ की गई थी। पिछले कुछ वर्षों में, नाटो अपने मूल अधिदेश से परे कई सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए विकसित हुआ है।
- नाटो की स्थापना 4 अप्रैल, 1949 को यूरोप और उत्तरी अमेरिका के 12 संस्थापक सदस्य देशों द्वारा वाशिंगटन, डी.सी. में उत्तरी अटलांटिक संधि पर हस्ताक्षर के साथ की गई थी।
- शीत युद्ध के दौरान, नाटो ने सोवियत विस्तारवाद के खिलाफ एक निवारक के रूप में कार्य किया, अमेरिका ने अपने यूरोपीय सहयोगियों को महत्वपूर्ण सैन्य सहायता प्रदान की।
- सोवियत संघ के पतन के बाद, नाटो ने संकट प्रबंधन, संघर्ष की रोकथाम और सहकारी सुरक्षा प्रयासों को शामिल करने के लिए अपना ध्यान केंद्रित किया।

## 4. एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई)

- यह भारत में सभी म्यूचुअल फंडों की परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमसी) का एक गैर-लाभकारी उद्योग निकाय है जो भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ पंजीकृत हैं।
- AMFI को 22 अगस्त 1995 को एक गैर-लाभकारी संगठन के रूप में शामिल किया गया था।
- एएमएफआई भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग को पेशेवर, स्वस्थ और नैतिक आधार पर विकसित करने और निवेशकों और अन्य हितधारकों के सर्वोत्तम हित में सभी क्षेत्रों में मानकों को बढ़ाने और बनाए रखने के लिए समर्पित है।

- एएमएफआई की भूमिका, अन्य बातों के अलावा,
    - (i) अपने सदस्यों, यूनिटधारकों और विभिन्न हितधारकों के लिए व्यापार करने में आसानी की सुविधा के लिए म्यूचुअल फंड उद्योग से संबंधित मुद्दों और चुनौतियों का समाधान करना है;
    - (ii) सेबी/भारतीय रिजर्व बैंक, भारत सरकार आदि के साथ संपर्क/वकालत।

## 5. एमएस स्वामीनाथन आयोग

- स्वामीनाथन आयोग, जिसे आधिकारिक तौर पर राष्ट्रीय किसान आयोग के रूप में जाना जाता है, की स्थापना 2004 में प्रोफेसर एम.एस. की अध्यक्षता में की गई थी। स्वामीनाथन, एक प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक।
- आयोग को भारतीय कृषि की स्थिति का आकलन करने और सतत विकास प्राप्त करने और किसानों की आजीविका में सुधार के लिए उपाय सुझाने का काम सौंपा गया था। आयोग की प्रमुख सिफारिशों में से एक कृषि उपज के मूल्य निर्धारण, विशेषकर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से संबंधित थी।
- आयोग ने सिफारिश की कि एमएसपी को ऐसे स्तर पर निर्धारित किया जाना चाहिए जो उत्पादन की व्यापक लागत पर न्यूनतम 50% लाभ मार्जिन सुनिश्चित करे।
- इस सिफारिश को, जिसे "स्वामीनाथन फॉर्मूला" के नाम से जाना जाता है, का उद्देश्य किसानों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य प्रदान करना और उनकी आय सुरक्षा में सुधार करना है।

GEO IAS
It's about quality

# प्रीलिम्स ट्रैक

**Q1. बौद्ध धर्म के प्रसार के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

1. अशोक के संरक्षण ने भारत के भीतर और बाहर दोनों जगह बौद्ध धर्म के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
2. सिल्क रोड ने बौद्ध धर्म को मध्य एशिया और चीन तक फैलाने में मदद की।
3. बौद्ध धर्म का महायान संप्रदाय मुख्य रूप से समुद्री मार्गों के माध्यम से दक्षिण पूर्व एशिया तक फैला था।

**नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:**

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2 और 3
C. केवल 1 और 3
D. 1, 2, और 3

**Q2. बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल (बिम्सटेक) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

1. बिम्सटेक में दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के सात सदस्य देश शामिल हैं।
2. बिम्सटेक सचिवालय नई दिल्ली, भारत में स्थित है।
3. बिम्सटेक की स्थापना बैंकॉक घोषणा के माध्यम से की गई थी।

**ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?**

A. केवल 1
B. केवल 1 और 2
C. केवल 1 और 3
D. 1, 2, और 3

**Q3. भारत में हालिया श्रम संहिताओं के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

1. वेतन संहिता, 2019 वेतन और बोनस से संबंधित कानूनों को समेकित और संशोधित करता है।
2. व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थिति संहिता, 2020 10 या अधिक श्रमिकों को रोजगार देने वाले सभी कार्यस्थलों को कवर करता है।
3. औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 के तहत 100 या अधिक श्रमिकों को रोजगार देने वाले प्रतिष्ठानों की छंटनी, छंटनी या बंद करने के लिए सरकार से पूर्व अनुमोदन की आवश्यकता होती है।

**नीचे दिए गए कथनों का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:**

A. केवल 1
B. केवल 1 और 3
C. केवल 2 और 3
D. 1, 2, और 3

**Q4. लाल सागर, बाब अल-मंडेब और होर्मुज जलडमरूमध्य के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

1. बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है।
2. होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक तेल व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण अवरोधक बिंदु है, जो फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है।
3. स्वेज़ नहर बाब अल-मंडेब को दरकिनार करते हुए लाल सागर को भूमध्य सागर से जोड़ती है।

**ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?**

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2 और 3
C. केवल 1 और 3
D. 1, 2, और 3

**Q5. व्लादिवोस्तोक-चेन्नई मार्ग निम्नलिखित में से किस मार्ग से होकर गुजरता है?**

1. जापान का सागर
2. कोरियाई प्रायद्वीप
3. फिलिपींस

**उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं?**

A. केवल एक
B. सिर्फ दो
C. सभी तीन
D. कोई नहीं

**Q6. हाल ही में खबरों में देखा गया हैनिबल डायरेक्टिव किससे संबंधित है?**

A. उत्तर अटलांटिक संधि संगठन
B. संयुक्त राज्य अमेरिका की मंजूरी
C. इज़राइल सैन्य नीति
D. कोई नहीं

**Q7. सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (AFSPA) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें**

1. इस कानून को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा असंवैधानिक घोषित कर दिया गया है और वर्तमान में यह मणिपुर और त्रिपुरा को छोड़कर सभी पूर्वोत्तर राज्यों में लागू है
2. किसी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के कुछ हिस्सों या पूरे को 'अशांत क्षेत्र' के रूप में अधिसूचित करने का अधिकार केवल केंद्र सरकार के पास है
3. जीवन रेड्डी ने सिफारिश की कि व्यवधान को कम करने और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए AFSPA को निरस्त किया जाए।

**ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं/हैं?**

A. केवल एक
B. सिर्फ दो
C. सभी तीन
D. कोई नहीं

**Q8. जीका वायरस के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

1. जीका वायरस मुख्य रूप से एडीज मच्छर प्रजाति द्वारा फैलता है।
2. जीका वायरस के संक्रमण से वयस्कों में गंभीर तंत्रिका संबंधी विकार हो सकते हैं।
3. जीका वायरस केवल अफ्रीका और दक्षिण पूर्व एशिया में फैला है।

**नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:**

A. केवल 1 और 2
B. केवल 1 और 3
C. केवल 2 और 3
D. केवल 1

**Q9. परिवहन और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के विद्युतीकरण के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

1. फेम इंडिया योजना का लक्ष्य भारत में हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने और विनिर्माण को बढ़ावा देना है।
2. इलेक्ट्रिक वाहनों में शून्य टेलपाइप उत्सर्जन होता है, जो शहरी वायु प्रदूषण को काफी कम करता है।
3. लिथियम-आयन बैटरियां इलेक्ट्रिक वाहनों में उपयोग की जाने वाली एकमात्र प्रकार की बैटरियां हैं।

**ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?**

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2 और 3
C. केवल 1 और 3
D. 1, 2, और 3

**Q10. भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

1. यह भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत अंतरिक्ष एजेंसी है।
2. एंट्रिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एसीएल) अंतरिक्ष उत्पादों के प्रचार और वाणिज्यिक दोहन के लिए इसरो की एक विपणन शाखा है

**उपरोक्त निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न 1 न 2

# प्रीलिम्स ट्रैक उत्तर

**उत्तर : 1 विकल्प A सही है**

**स्पष्टीकरण:**

- **कथन 1 सही है:** सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म अपनाने के बाद, श्रीलंका और मध्य एशिया सहित भारत के विभिन्न हिस्सों और उससे आगे मिशनरियों को भेजकर इसके प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- **कथन 2 सही है:** सिल्क रोड ने बौद्ध धर्म को मध्य एशिया और चीन तक फैलाने में मदद की, सिल्क रोड भारत से मध्य एशिया और चीन तक बौद्ध धर्म के प्रसार के लिए एक प्रमुख माध्यम था, क्योंकि व्यापारी और भिक्षु इन मार्गों से यात्रा करते थे।
- **कथन 3 ग़लत है:** महायान सम्प्रदाय भूमि मार्गों के माध्यम से मध्य एशिया और पूर्वी एशिया तक अधिक व्यापक रूप से फैला। बौद्ध धर्म का थेरवाद स्कूल मुख्य रूप से समुद्री मार्गों के माध्यम से दक्षिण पूर्व एशिया तक फैला हुआ था।

**उत्तर : 2 विकल्प C सही है**

**स्पष्टीकरण:**

- **कथन 1 सही है:.** बिम्सटेक में सात देश शामिल हैं: बांग्लादेश, भूटान, भारत, नेपाल, श्रीलंका (दक्षिण एशिया से), और म्यांमार, थाईलैंड (दक्षिण पूर्व एशिया से)।
- **कथन 2 गलत है:** बिम्सटेक सचिवालय ढाका, बांग्लादेश में स्थित है।
- **कथन 3 सही है**: बिम्सटेक की स्थापना 6 जून 1997 को बैंकॉक घोषणा के माध्यम से की गई थी।

**उत्तर : 3 विकल्प B सही है**

**स्पष्टीकरण**:

- **कथन 1 सही है**: वेतन संहिता, 2019 वेतन और बोनस से संबंधित कानूनों को समेकित और संशोधित करता है।
- **कथन 2 गलत है:** व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थिति संहिता, 2020 सामान्य रूप से 10 या अधिक श्रमिकों को रोजगार देने वाले प्रतिष्ठानों पर लागू होता है, लेकिन इसमें कुछ शर्तों के तहत छोटे प्रतिष्ठानों के लिए प्रावधान भी शामिल हैं।
- **कथन 3 सही है:** औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 के लिए 300 या अधिक श्रमिकों को रोजगार देने वाले प्रतिष्ठानों को छंटनी, छंटनी या बंद करने के लिए सरकार से पूर्व अनुमोदन लेने की आवश्यकता है। हालाँकि, इसमें राज्यों के लिए निचली सीमा निर्धारित करने का प्रावधान बरकरार रखा गया है, जो पहले 100 श्रमिकों की सीमा थी।

**उत्तर : 4 विकल्प D सही है**

**स्पष्टीकरण:**

- **कथन 1 सही है**. बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य एक संकीर्ण मार्ग है जो लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है, जो एक प्रमुख समुद्री मार्ग के रूप में कार्य करता है।
- **कथन 2 सही है.** होर्मुज जलडमरूमध्य तेल परिवहन के लिए दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण चोकपॉइंट्स में से एक है, जो फारस की खाड़ी को अरब सागर और व्यापक हिंद महासागर से जोड़ता है।
- **कथन 3 सही है**. स्वेज नहर मिस्र में एक कृत्रिम जलमार्ग है जो लाल सागर को भूमध्य सागर से जोड़ता है, जिससे जहाजों को अफ्रीका के दक्षिणी सिरे के आसपास लंबे मार्ग को पार करने और अप्रत्यक्ष रूप से बाब अल-मंडेब को बायपास करने की अनुमति मिलती है।

**उत्तर : 5 विकल्प C सही है**

**स्पष्टीकरण**

- चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री मार्ग भारत के पूर्वी तट पर स्थित चेन्नई को रूस के पूर्वी बंदरगाह शहर व्लादिवोस्तोक से जोड़ता है, जिससे दोनों देशों के लिए व्यापार और निवेश के ढेरों अवसर खुलते हैं।
- व्लादिवोस्तोक ट्रांस-साइबेरियन रेलवे का अंतिम बिंदु है, कार्गो टर्नओवर के मामले में चौथा और सुदूर पूर्व का पहला मुक्त बंदरगाह है।
- व्लादिवोस्तोक-चेन्नई मार्ग जापान के सागर से होकर कोरियाई प्रायद्वीप, ताइवान और फिलीपींस से होते हुए दक्षिण चीन सागर, सिंगापुर से होकर मलक्का जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है।

**उत्तर : 6 विकल्प C सही है.**

**स्पष्टीकरण**

- हैनिबल डायरेक्टिव एक गुप्त इजरायली सैन्य नीति है जिसका उद्देश्य अधिकतम बल का उपयोग करके इजरायली सैनिकों को पकड़ने से रोकना है, भले ही इससे सैनिकों के जीवन को खतरा हो।
- इसे 1986 में लेबनान में तीन इजरायली सैनिकों को पकड़ने के बाद हिजबुल्लाह द्वारा बनाया गया था, जहां इजरायल की सैन्य उपस्थिति थी।

**उत्तर : 7 विकल्प A सही है**

**स्पष्टीकरण**

- आज तक, पूरे असम और नागालैंड, मणिपुर, इम्फाल नगरपालिका क्षेत्र को छोड़कर, अरुणाचल प्रदेश के कुछ जिले 'अशांत क्षेत्र' के रूप में अधिसूचित हैं।
- त्रिपुरा और मेघालय से AFSPA हटा लिया गया
- अधिनियम किसी भी राज्य के राज्यपाल, या केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक, या केंद्र सरकार को राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के कुछ हिस्सों या पूरे को 'अशांत क्षेत्र' के रूप में अधिसूचित करने का अधिकार देता है।
- जीवन रेड्डी समिति- 2005 में, सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश बी. पी. जीवन रेड्डी की अध्यक्षता में सरकार द्वारा नियुक्त पांच सदस्यीय समिति ने सिफारिश की कि AFSPA को निरस्त कर दिया जाए।
- इसने सुझाव दिया कि आतंकवाद से निपटने के लिए गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम में उपयुक्त संशोधन किया जा सकता है। अतः **केवल कथन 3 सही है**

**उत्तर : 8 विकल्प A सही है**

**स्पष्टीकरण**:

- **कथन 1 सही है.** जीका वायरस मुख्य रूप से संक्रमित एडीज प्रजाति के मच्छर, विशेष रूप से एडीज एजिप्टी और एडीज एल्बोपिक्टस के काटने से लोगों में फैलता है।
- **कथन 2 सही है.** जबकि कई संक्रमण स्पर्शोन्मुख होते हैं या हल्के लक्षण पैदा करते हैं, जीका वायरस संक्रमण गुइलेन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) और वयस्कों में अन्य तंत्रिका संबंधी विकारों से जुड़ा हुआ है।
- **कथन 3 गलत है**- जीका वायरस की पहचान सबसे पहले 1947 में युगांडा में हुई थी और बाद में यह दक्षिण पूर्व एशिया में पाया गया, लेकिन इसका प्रकोप प्रशांत द्वीप समूह, अमेरिका और अन्य क्षेत्रों में भी हुआ है। यह वायरस केवल अफ्रीका और दक्षिण पूर्व एशिया तक ही सीमित नहीं है

**उत्तर : 9 विकल्प A सही है**

**स्पष्टीकरण**:

- **कथन 1 सही है.** फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ हाइब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (FAME) इंडिया स्कीम वित्तीय प्रोत्साहन और बुनियादी ढांचे के विकास के माध्यम से इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों को अपनाने को प्रोत्साहित करने के लिए एक सरकारी पहल है।
- **कथन 2 सही है.** इलेक्ट्रिक वाहन टेलपाइप उत्सर्जन उत्पन्न नहीं करते हैं, जिससे शहरी वायु प्रदूषण में कमी आती है और वायु गुणवत्ता में सुधार होता है।
- **कथन 3 ग़लत है.** जबकि लिथियम-आयन बैटरियां अपनी उच्च ऊर्जा घनत्व और दक्षता के कारण इलेक्ट्रिक वाहनों में सबसे आम और व्यापक रूप से उपयोग की जाती हैं, अन्य प्रकार की बैटरियां, जैसे निकल-मेटल हाइड्राइड और सॉलिड-स्टेट बैटरी, का भी उपयोग किया जाता है और ईवीएस के लिए विकसित किया जा रहा है।

**उत्तर : 10 विकल्प B सही है.**

**स्पष्टीकरण**

- इसरो भारत सरकार के अंतरिक्ष विभाग के अंतर्गत एक अंतरिक्ष एजेंसी है, जिसका मुख्यालय कर्नाटक के बेंगलुरु शहर में है।
- इसका उद्देश्य अंतरिक्ष विज्ञान अनुसंधान और ग्रहों की खोज को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय विकास के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग करना है।
- एंट्रिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एसीएल) इसरो द्वारा विकसित अंतरिक्ष उत्पादों, तकनीकी परामर्श सेवाओं और प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण के प्रचार और वाणिज्यिक दोहन के लिए इसरो की एक विपणन शाखा है।

GEO IAS

It's about quality

# ABOUT US

GEO IAS is the best institute for civil services in India for providing top quality teaching and materials, offering you most optimum path for your success in Civil Services exam. Our aim is to provide quality training with an affordable fee structure. Our uniquely designed course make us the best institute for UPSC to crack the exam in one go. We have a dedicated team of experienced and young teachers and counsellors who make sure that every student who joins the institute, must get customized way of preparation which matches with student's learning style.
The only institute of UPSC in India which has 3 AI enabled Mobile apps. We believe in Smart way of teaching and learning. The classes are available in offline as well as in online mode. We take the help of animation so that you may visualize the lectures. Unlimited tests for prelims and mains with solution in both form (Hard copy and soft copy). We have the set of 15 lac mcqs on each topic. We provide daily news analysis, Highlighted news paper and links of important Sansad TV shows. The institute has best success rate with more than 230 students have cleared the exam. HIGHEST RATED INSTITUTE as per GOOGLE, SULEKHA and JUST DIAL and the magazine on civil services

+91-9477560001 /002/005

BRANCH: Delhi Kolkata, Raipur, Patna | HEAD OFFICE: 641, Ramlal Kapoor Marg, Mukherjee Nagar, Delhi, 110009

info@geoias.com

www.geoias.com